•ग्रहण में..

कई दशक बाद ऐसा संयोग...

21 जून को लगने वाला सूर्य ग्रहण समाज में खरमंडल मचाएगा। कई दशक बाद ऐसा संयोग बन रहा है जब एक साथ छह ग्रह सूर्य ग्रहण पर वक्री होंगे। वक्री होने से इन ग्रहों की चाल उल्टी पड़ जाएगी जिसका सीधा असर मानव जीवन पर पड़ेगा। ज्योतिष विद्वान इसे शुभ नहीं मान रहे हैं। कोरोना संक्रमण के बीच ग्रहों की ऐसी चाल प्राकृतिक आपदा बढ़ा सकती है। अगस्त माह में महामारी के बढ़ने के भी संकेत बन रहे हैं। ज्योतिष विद्वानों का कहना है कि शनि के राशि परिवर्तन से ऐसी आशंका जताई जा रही है। सितंबर माह में केतु के राशि परिवर्तन और गुरु के साथ शनि के मार्गी होने से हालात सामान्य हो जाएंगे। सितंबर के अंतिम सप्ताह से देश में हालात पूरी तरह से अनुकूल हो जाएगा और लोग हर तरह के संक्रमण से मुक्ति पा जाएंगे।

21 जून को मिथुन राशि में

लगने वाला सूर्य ग्रहण शुभ नहीं है, क्योंकि कई ग्रहों की चाल इस दौरान उल्टी रहेगी। सूर्य ग्रहण पर धार्मिक अनुष्ठान और पूजा जप से राहत मिल सकती है। संबंधित ग्रहों के मंत्रों का जाप संकट से मुक्ति दिलाएगा। ग्रहण काल का समय 21 जून को स्पर्श 10.30 मध्य 12.17 और मोक्ष 2.04 बजे दिन में है। सूर्य ग्रहण लगभग साढ़े तीन घंटे का होगा।

3 सितंबर 2020 को केतु राशि परिवर्तन करेंगे। वह धनु से वृश्चिक राशि में जाएंगे, जिसके कारण इस महामारी का कोई न कोई उपचार भी मिलने की संभावना है। 15 सितंबर को स्थिति और भी सुधर जाएगी। 28 सितंबर को स्थितियां पूरी तरह से नियंत्रित होंगी। मिथुन राशि पर लगने वाला सूर्य ग्रहण अत्यंत ही संवेदनशील होगा। मंगल का जलीय राशि मीन में होना शुभ नहीं माना जाता है। सूर्य बुध, चंद्रमा और राहु पर मंगल की दृष्टि पड़ना अशुभ माना जाता है। इस ग्रहण में बड़े-बड़े प्राकृतिक आपदा के संकेत बन रहे हैं। इसमें अतिवृष्टि चक्रवात तूफान महामारी आदि से जनजीवन अस्त-व्यस्त रहेगा। शास्त्रों के अनुसार चंद्र ग्रहण में 9 घंटे तथा सूर्य ग्रहण में 12 घंटे पूर्व सूतक लग जाता है। इसमें देव प्रतिमाओं का दर्शन अशुभ माना जाता है।

•गुप्त नवरात्र...

मां को करें प्रसन्न...

हिंदू धर्म के अनुसार आषाढ़ महीने के शुक्ल पक्ष को गुप्त नवरात्र पड़ती है। इस बार गुप्त नवरात्र 22 जून से शुरू हो रही है। इस दौरान नौ दिनों तक मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की बजाय दस महाविद्याओं की पूजा की जाती है। इस व्रत में मां दुर्गा की पूजा देर रात ही की जाती है। मूर्ति स्थापना के बाद मां दुर्गा को लाल सिंदूर लगा कर लाल चुन्नी चढ़ाई जाती है। इस दौरान देवी दुर्गा को खुश करने के लिये कड़े नियम का पालन करना पड़ता है। गुप्त नवरात्र में किसी विशेष सिद्धि की प्राप्ति हेतु कुछ ही साधक यह पूजा कर पाते हैं। पूजा के दौरान नियम का पालन करना और विभिन्न तांत्रिक साधनाओं को बहुत ही अनुष्ठान पूर्वक किया जाता है जो कि काफी कठिन होती है। यह पूजा कई समस्याओं से मुक्ति दिलाने में मदद करती है। गुप्त नवरात्रि में कुछ बातों का विशेष ख्याल रखना चाहिये और भूल कर भी नीचे बताए गए काम नहीं करने चाहिये। गुप्त नवरात्र पर मां को प्रसन्न करने के लिए ऐसे करें पूजा-

- तांत्रिक सिद्धियां प्राप्त करने के लिए ये महा अवसर है। किसी एकांत गुप्त स्थान पर जाकर माता के विभिन्न स्वरूपों के साथ दस महाविद्याओं की साधना करें।
- इन नौ दिनों तक माता के 32 नाम के साथ उनके मंत्र का 108 बार जाप भी करें।
- सिद्धिकुंजिकास्तोत्र का 18 बार पाठ कीजिए।
- यदि संभव हो तो दुर्गासप्तशती का एक पाठ प्रातः और एक रात्रि में कीजिए।
- ब्रह्म मुहूर्त में श्रीरामरक्षास्तोत्र का पाठ करने से दैहिक, दैविक और भौतिक तापों का नाश होता है।

गलती से भी ना करें ये काम-

- इस दौरान नाखून नहीं काटने चाहिए।
- इस दौरान काले कपड़े नहीं पहनने चाहिए।
- गुप्त नवरात्रि में बच्चों का मुंडन नहीं करवाना चाहिए।
- इस दौरान चमड़े की वस्तु, चप्पल या बेल्ट आदि का प्रयोग ना करें।
- गुप्त नवरात्रि में नौ दिन का व्रत रखने वालों को दाढ़ी-मूंछ और बाल नहीं कटवाने चाहिए।
- गुप्त नवरात्रि में खाना बनाते समय ना तो प्याज का प्रयोग करें और ना ही लहसुन या नॉन वेज खाएं।

गुप्त नवरात्र थोड़ी कठिन साधना का पर्व है। किसी विशेष उद्देश्य या सिद्धि को प्राप्त करने के लिए माता काली से लेकर कमला देवी तक कि आराधना का महान उत्सव एवं पुनीत अवसर है।

माना जा है कि ग्रहण जैसे जब कोई बड़ी घटना घटती है तो ज्योतिष विचार में बताए गए विधानों के अनुसार इंसान की सभी 12 राशियों पर इसका कुछ प्रभाव भी देखने को मिलता।

कुछ राशि के जातकों के लिए यह प्रभाव सकारात्मक तो कुछ राशियों के लिए ये प्रभाव नकारात्मक भी हो सकते हैं...

सूर्य ग्रहण का प्रभाव

रविवार को पड़ने वाला ग्रहण साल का पहला सूर्य ग्रहण है। यह सूर्य ग्रहण कई मायनों में इस बार खास। ज्योतिषाचार्यों और वैज्ञानिकों के अनुसार यह ग्रहण आषाढ़ अमावस्या, 21 जून को वलयाकार यानी फायर रिंग के रूप में दिखेगा। कुछ विद्वान इसे चूड़ामणि का भी नाम दे रहे हैं। माना जा है कि ग्रहण जैसे जब कोई बड़ी घटना घटती है तो ज्योतिष विचार में बताए गए विधानों के अनुसार इंसान की सभी 12 राशियों पर इसका कुछ प्रभाव भी देखने को मिलता। कुछ राशि के जातकों के लिए यह प्रभाव सकारात्मक तो कुछ राशियों के लिए ये प्रभाव नकारात्मक भी हो सकते हैं।

21 जून को सुबह 9:15 बजे ग्रहण शुरू हो जाएगा और 12:10 बजे दोपहर में पूर्ण ग्रहण दिखेगा। इस दौरान कुछ देर के लिए हल्क अंधेरा सा छा जाएगा। इसके बाद 03:04 बजे ग्रहण समाप्त होगा। यानी करीब 6 घंटे का लंबा ग्रहण होगा। लंबे ग्रहण की वजह से पूरी दुनिया में इसकी चर्चा हो रही है। 21 जून को पड़ने वाले ग्रहण का सूतक काल 20 जून को सुबह 09:15 बजे सूतक काल लगेगा। यह सूतक काल 22 जून को सुबह 9 बजे तक रहेगा। प्रमुख मंदिर और धार्मिक स्थल सूतक काल के दौरान बंद रहेंगे।

जानें सूर्य ग्रहण का राशियों पर प्रभाव-

मेष : मेष राशिवाले जातकों के लिए सूर्य ग्रहण आर्थिक पक्ष मजबूत करेगा। कार्य व्यापार में उन्नति होगी। आपके साहस एवं शौर्य की सराहना तो होगी ही आपके द्वारा लिए गए निर्णय एवं किए गए कार्य भी सफल रहेंगे। परिवार में शांति बनाकर रखें।

वृषभ : इस राशि के धनभाव में पड़ने वाला ये सूर्य ग्रहण पारिवारिक कलह एवं मानसिक अशांति दे सकता है। स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा दाहिनी आंख का ध्यान रखें। कर्ज या लेन-देन के विवादों से दूर रहें।

मिथुन : मिथुन राशिवालों के लिए यह ग्रहण सर्वाधिक कष्ट कारक सिद्ध हो सकता है इसलिए वाणी और क्रोध पर नियंत्रण रखे। यात्रा में कष्ट के संकेत हैं।

कर्क : कर्क राशिवालों के लिए यह ग्रहण आपके लिए स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव डालेगा। बाई आंख का ध्यान रखें, हृदय रोग से बचें। कोर्ट कचहरी के मामले बाहर ही सुलझा लें तो बेहतर रहेगा। किसी संबंधी अथवा मित्र के द्वारा कष्टकर समाचार मिल सकता है।

सिंह : आय के साधन बढ़ेंगे। भाग्य उन्नति के सभी दरवाजे खोल देगा। ग्रहण से नौकरी में पदोन्नति एवं नए अनुबंध पर हस्ताक्षर के योग बन रहे हैं। विदेशी कंपनियों में भी सर्विस आदि का आवेदन करना चाहें तो असर बेहतर। इन सब के होते हुए भी बड़े भाइयों से मतभेद न पैदा होने दें।

कन्या : कन्या राशि के जातकों के लिए यह ग्रहण माता पिता के स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव डालेगा। कार्य क्षेत्र में भी षड्यंत्र का शिकार हो सकते हैं। अधिकारियों से संबंध बनाकर रखें नौकरी में भी स्थान परिवर्तन की संभावना है अगर ऐसा हो तो सहजता से स्वीकार करें।

तुला : यह सूर्य ग्रहण तुला राशिवालों के कार्य बाधा उत्पन्न करा सकता है। स्वास्थ्य के प्रति चिंता तो रहेगी किंतु संतान संबंधी चिंता भी आपको तंग कर सकती है। यदि आप विद्यार्थी हैं तो पढ़ाई में और मन लगाएं ताकि परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने में परेशानी न हो। धर्म-कर्म के मामलों में अरुचि बढ़ेगी।

वृश्चिक : यह ग्रहण वृश्चिक राशि के जातकों के स्वास्थ्य के लिए विपरीत प्रभाव कारक सिद्ध हो सकता है। पेट संबंधी अथवा यहां से संबंधित अंगों के विकार से बचें। आकस्मिक धन प्राप्ति के योग बनाएगा। कहीं फंसा हुआ पैसा वापस मिल सकता है। विरोधी परेशान कर सकते हैं।

धनु : इस ग्रहण के प्रभाव से धनु राशिवालों के दांपत्य जीवन में कटुता आ सकती है इसलिए आपसी सौहार्द बनाए रखें। विवादों से दूर रहे। यात्रा देशाटन पर अधिक व्यय होगा। किसी करीबी को कष्ट का समाचार मिल सकता है।

मकर : यह सूर्य ग्रहण मकर के जातकों को मिलाजुला फल देने वाला होगा। ऋण, रोग और शत्रु आपको तंग कर सकते हैं। गुप्त शत्रुओं से भी बचें। कोर्ट कचहरी के मामले भी बाहर ही सुलझायें। स्वास्थ्य संबंधी चिंता से परेशानी बढ़ सकती है। लेकिन आपके कार्यों की सराहना होगी।

कुंभ : कुंभ राशि के जातको के लिए यह ग्रहण रोमांस के मामलों में उदासीनता लाएगा। प्रेम विवाह के निर्णय में कुछ विलंब हो सकता है। संतान संबंधी चिंता भी परेशान कर सकती है। विद्यार्थियों का पढ़ाई में नुकसान हो सकता है।

मीन : इस राशि के लिए यह ग्रहण पारिवारिक कलह एवं मानसिक अशांति दे सकता है। कहीं न कहीं आपका आर्थिक पक्ष मजबूत भी करेगा।

•राशि के अनुसार...

दान...

इस साल के सूर्य ग्रहण मिथुन राशि में लग रहा है। इसलिए इस ग्रहण का मिथुन राशि के जातकों पर विशेष प्रभाव पड़ेगा। ज्योतिषियों के अनुसार सूर्य ग्रहण के दिन कुल 9 ग्रहों में से 6 ग्रह उल्टी चाल चलेंगे। यह स्थिति बिल्कुल भी अच्छा संकेत नहीं मानी जा रही हैं। ज्योतिषियों के लिए यह चिंता का विषय बना हुआ है। मेष राशि के लोगों को सात प्रकार के अनाज को एक में मिलाकर दान करना चाहिए। इसके अलावा गुड़ भी दान कर सकते हैं। वृष राशि के लोगों को सफेद रंग की मिठाई का दान करना चाहिए। तुला–राशि के लोगों को सफेद वस्त्र दान करने चाहिए। मिथुन और कन्या राशि के लोग साबूत मूंग की दाल का दान उत्तम है। कर्क – साबुत चना और मसूर की दाल दान करें। सिंह – लाल मसूर गुड़ और गर्म कपड़ों का दान करें। धनु और मीन पीले रंग का वस्त्र दान करें। वृश्चिक राशि के लोगों को सात प्रकार के अनाज को एक में मिलाकर दान करना चाहिए। इसके अलावा गुड़ भी दान कर सकते हैं। मकर और कुंभ – उडद की दाल और सरसों का तेल दान करें।

•रिंग ऑफ फॉयर...

21 जून को लगने वाले सूर्य ग्रहण रिंग ऑफ फॉयर की तरह लगेगा। यह ग्रहण पूर्ण ग्रहण होगा, इसलिए दिन में रात लगने लगेगी। इस सूर्य ग्रहण में चांद सूर्य को केंद्र से कवर करेगा, जिससे सूर्य का किनारे का गोलाकार कुछ भाग दिखेगा, जिसे रिंग ऑफ फायर कहा जाता है। रिंग ऑफ फायर का यह नजारा कुछ सेकेंड से लेकर 12 मिनट तक देखा जा सकता है। ज्योतिषिय दृष्टि से देखा जाए तो इस ग्रहण का सूतक काल होगा। वहीं इस ग्रहण का प्रभाव भी लोगों पर पड़ेगा। इस ग्रहण का सूतक 12 घंटे पहले लग जाएगा। इसलिए ग्रहण के समय खाना पीना और पूजा करने की मनाही होगी।